Krishi Kumbh
Www.KrishiKumbh.Com
कृषि कुंभ
E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 01, (जुन, 2024)
पृष्ठ संख्या 75–76

बाजरा में अंतर्राष्ट्रीय व्यापारः आर्थिक विकास और वैश्विक खाद्य सुरक्षा का मार्ग

पीयूष यादव[1], धीर प्रताप[2], ओम प्रकाश[3], संदीप कुमार यादव[4] एवं पंकज कश्यप[5]

[1,3,4,5]परास्नातक छात्र, कृषि विभाग,
[2]शोध छात्र, कृषि विभाग,
इन्टीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तरप्रदेश, भारत।

Email Id: –om075962@gmail.com

बाजरा, जिसे कभी प्राचीन अनाज माना जाता था, दुनिया भर में लोकप्रियता में पुनरुत्थान का अनुभव कर रहा है। ये सूखा प्रतिरोधी, पोषक तत्वों से भरपूर अनाज सदियों से दुनिया के कई हिस्सों में मुख्य भोजन रहे हैं, खासकर एशिया और अफ्रीका में। आज मोटे अनाजों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न केवल आर्थिक विकास का साधन है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है।

बाजरा का उदय

ज्वार, मोती बाजरा, फिंगर बाजरा और फॉक्सटेल बाजरा जैसी किस्मों सहित बाजरा की खेती हजारों वर्षों से की जाती रही है, मुख्य रूप से शुष्क और अर्धशुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में। उन्हें गेहूं और चावल जैसी प्रमुख अनाज फसलों की तुलना में कम पानी और उर्वरक की आवश्यकता के कारण कठोर परिस्थितियों में उनके लचीलेपन के लिए मनाया जाता है। यह उन्हें पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने वाले क्षेत्रों के लिए एक आदर्श फसल बनाता है।

हाल के वर्षों में, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भोजन विकल्पों के प्रति उपभोक्ता प्राथमिकताओं में उल्लेखनीय बदलाव आया है। ग्लूटेन–मुक्त, फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण बाजरा इस प्रवृत्ति में पूरी तरह से फिट बैठता है। परिणामस्वरूप, बाजरे के आटे से लेकर नाश्ते के अनाज और स्नैक्स तक, बाजरा–आधारित उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है।

व्यापार के माध्यम से आर्थिक विकास

बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उत्पादक और आयातक दोनों देशों के लिए असंख्य आर्थिक अवसर प्रस्तुत करता है। भारत, नाइजीरिया, नाइजर और माली जैसे बाजरा उत्पादक देशों के लिए, निर्यात बाजार बढ़ती मांग को भुनाने और मूल्यवान विदेशी मुद्रा आय सुरक्षित करने का मौका प्रदान करते हैं। फिर इन कमाई को बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण अन्य क्षेत्रों में पुनर्निवेश किया जा सकता है।

इसके अलावा, बाजरा की खेती और व्यापार रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां कृषि प्राथमिक आजीविका है। छोटे किसान, जो अक्सर बाजरा उगाते हैं, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच से लाभ उठा सकते हैं। इससे न केवल उनकी

आय में सुधार होता है बल्कि उनकी आर्थिक स्थिरता और बाजार के उतार–चढ़ाव के प्रति लचीलापन भी बढ़ता है।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना

वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में बाजरा के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता। 2050 तक दुनिया की आबादी लगभग 10 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, खाद्य उत्पादन और खपत में विविधता लाने की तत्काल आवश्यकता है। बाजरा अपनी कम पानी और इनपुट आवश्यकताओं के कारण एक स्थायी समाधान प्रदान करता है।

उन क्षेत्रों में जहां गेहूं और चावल जैसी प्रमुख फसलें जलवायु परिवर्तन से प्रेरित सूखे या बाढ़ से चुनौतियों का सामना करती हैं, बाजरा एक विश्वसनीय विकल्प प्रदान करता है। कठोर परिस्थितियों में पनपने की उनकी क्षमता का मतलब है कि उन्हें उन क्षेत्रों में उगाया जा सकता है जहां अन्य फसलें संघर्ष करती हैं, जिससे भोजन की कमी का खतरा कम हो जाता है।

इसके अलावा, बाजरा कुपोषण से निपटने में एक मूल्यवान उपकरण है, खासकर विकासशील देशों में जहां आवश्यक पोषक तत्वों की कमी प्रचलित है। वे आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य विटामिनों से भरपूर हैं, जो उन्हें आहार में एक उत्कृष्ट अतिरिक्त बनाते हैं, खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं जैसी कमजोर आबादी के लिए।

चुनौतियाँ और आगे का रास्ता

बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के असंख्य लाभों के बावजूद, कुछ चुनौतियाँ हैं जिनका समाधान किया जाना चाहिए। इसमे शामिल है:

बाजार पहूंच

बाजरा उत्पादक देशों के लिए उचित बाजार पहुंच सुनिश्चित करना, विशेष रूप से व्यापार बाधाओं और बड़ी अनाज फसलों के पक्ष में सब्सिडी के सामने।

आधारभूत संरचना

संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में बाजरा अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पर्याप्त भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण सुविधाओं का विकास करना।

जागरूकता

उपभोक्ताओं को बाजरा के पोषण संबंधी लाभों के बारे में शिक्षित करना और वैश्विक स्तर पर इसके उपभोग को बढ़ावा देना।

इन चुनौतियों से पार पाने के लिए सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, किसान संघों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है। फसल की पैदावार और गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश के साथ–साथ बाजरा उत्पादन, व्यापार और खपत का समर्थन करने वाली नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक विकास और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक आशाजनक अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्राचीन अनाज की क्षमता का उपयोग करके, देश न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं, बल्कि सभी के लिए अधिक टिकाऊ और पौष्टिक खाद्य प्रणाली में भी योगदान दे सकते हैं।